Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 28 July 2024

Dainik Jagran
Page - 07

गोवि में अब बीबीए-एलएलबी की भी पढ़ाई

विश्वविद्यालय के रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की सूची में बढ़ेगा एक और पाठ्यक्रम

डा. सोमेश सत • जागरण

गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की सूची में जल्द एक और पाठ्यक्रम जुड़ेगा। विश्वविद्यालय ने बीबीए-एलएलबी नाम के पाठ्यक्रम के संचालन की योजना बनाई है। यह पांच वर्षीय पाठ्यक्रम बीए-एलएलबी की तर्ज पर चलेगा और उसी भवन में संचालित होगा, जिसमें बीए-एलएलबी का संचालन होगा। इसके लिए विधि विभाग के पास अलग भवन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

बीबीए-एलएलबी पाठ्यक्रम का संचालन भी स्व-वित्तपोषित मोड में होगा। इसकी कार्ययोजना विधि-विभाग और व्यवसाय प्रबंधन विभाग के शिक्षक मिलकर बनाएंगे। शुरुआत में दोनों विभाग मिलकर इसका संचालन करेंगे, बाद में इसके लिए अलग फैकेल्टी विकसित की जाएगी। इस पाठ्यक्रम का प्रारूप तैयार कराने में विश्वविद्यालय विशेषज्ञों की सलाह भी लेगा, जिससे पाठ्यक्रम का स्वरूप ऐसा बन सके कि उसे पढ़ने वाले विद्यार्थियों को रोजगार के लिए भटकना न पड़े और अध्ययन के दौरान ही अच्छे सैलरी पैकेज पर बड़ी कंपनियों में चयन सुनिश्चित हो सके। विश्वविद्यालय की योजना सत्र 2025-26 से इसके संचालन की है। इससे पहले संचालन की सभी आधिकारिक औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी।

नई शिक्षा नीति में रोजगारपरक पाठ्यक्रम पर जोर है। इसे ध्यान में रखकर ही ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन की संख्या बढ़ाने पर निरंतर कार्य चल रहा है। इसी क्रम में बीबीए-एलएलबी पाठ्यक्रम के संचालन की योजना बनाई गई है। कार्पोरेट जगत में इस पाठ्यक्रम की काफी डिमांड है। इस पाठ्यक्रम को नए भवन में बीए-एलएलबी के साथ संचालित किया जाएगा। अगले सत्र से इसका संचालन शुरू करने को लेकर प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर

कार्पोरेट जगत में बीबीए-एलएलबी की है डिमांड: विश्वविद्यालय प्रशासन ने बीबीए-एलएलबी का संचालन शुरू करने की योजना कार्पोरेट जगत में इस पाठ्यक्रम की मांग को देखते हुए बनाई है। दरअसल बीबीए-एलएलबी करने वाले विद्यार्थियों को रोजगार देने से कंपनियों की प्रबंधक और विधिक सलाहकार दो पद की जरूरत पूरी हो जाएगी। इस पाठ्यक्रम के विद्यार्थी किसी कंपनी में विधिक मामलों को बढ़ने न देने में भी मददगार साबित होंगे।

साढ़े आठ करोड़ की लागत से बनेगा भवन: बीए-एलएलबी और बीबीए-एलएलबी पाठ्यक्रम के संचालन के लिए विश्वविद्यालय के विधि विभाग के पीछे एक भवन निर्माण की तैयारी विश्वविद्यालय प्रशासन ने कर ली है। विकास समिति ने इसके लिए साढ़े आठ करोड़ रुपये मंजूर कर दिए हैं। इस धनराशि से दो मंजिला भवन बनेगा, जिसमें दोनों पाठ्यक्रम संचालित होंगे। नए भवन में कुल 10 कक्षाएं, 10 केबिन और एक कार्यालय के अतिरिक्त एक कंप्यूटर लैब और लाइब्रेरी की व्यवस्था की जाएगी। भवन का निर्माण करीब साढ़े सात हजार वर्गफीट में कराया जाएगा।

दीक्षा समारोह में इस बार होगा विशेष परिधान

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षा समारोह का परिदृश्य बीते वर्षों से अलग होगा। इस बार विद्यार्थियों और शिक्षकों का एक विशेष परिधान होगा। दीक्षा समारोह के ड्रेस कोड के निर्धारण की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से समारोह के परिधान समिति को सौंपी गई है। समारोह की चमक बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। 30 अगस्त को आयोजित होने वाले दीक्षा समारोह की तैयारी को लेकर शनिवार को कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने समितियों के संयोजकों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी से तैयारियों का अपडेट लिया और इसे लेकर अपनी योजनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा कि आयोजन समितियों में नए शिक्षकों को भी शामिल किया जाए, जिससे समारोह में सामूहिकता परिलक्षित हो। आयोजन में नवाचारों को शामिल किया जाए, जिससे हीरक जयंती वर्ष में आयोजित यह दीक्षा समारोह यादगार बन जाए। कुलपति ने समारोह सप्ताह के दौरान सभी संकायों में विशिष्ट व्याख्यान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और काव्य संध्या के आयोजन के निर्देश दिए। आइक्यूएसी, डेलीगेसी, क्रीड़ा परिषद की ओर से विविध प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी। उन्होंने समारोह में पदक विजेताओं के अभिभावकों और शहर के गण्यमान्य नागरिकों को आमंत्रित करने पर भी जोर दिया। बैठक में कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, परीक्षा नियंत्रक डा.कुलदीप सिंह भी मौजूद रहे।

एमएड, बीपीएड के लिए काउंसलिंग आज से

- शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 30 जुलाई है निर्धारित
- सीधे प्रवेश वाले विषयों में प्रक्रिया आज से होगी शुरू

जासं, गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय में एमएड ,बीपीएड तथा पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसलिंग में प्रवेश के लिए आनलाइन काउंसलिंग की प्रक्रिया रविवार से शुरू होगी। इसके अलावा उन सभी पीजी और डिप्लोमा पाठ्यक्रम में भी, जिनमें प्रवेश परीक्षा आयोजित नहीं की गई थी, रविवार से आनलाइन प्रवेश प्रारंभ हो जाएगा। सीधे प्रवेश वाले इन सभी पाठ्यक्रमों के अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर लागिन करके प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 30 जुलाई निर्धारित है। शुल्क जमा करने वाले अभ्यर्थी दिनांक एक से तीन अगस्त तक फीस, रसीद तथा सभी मूल प्रमाणपत्र और अंकपत्र लेकर सत्यापन के लिए अपने विभागों में उपस्थित होंगे। एमएड तथा बीपीएड प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 28 से 30 जुलाई तक आनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया के माध्यम से च्वाइस लाक करेंगे। सीट आवंटन का परिणाम दो अगस्त को जारी होगा।

स्नातक व परास्नातक के लिए च्वाइस लाक प्रक्रिया संपन्न: स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रम के लिए 25 जुलाई से जारी आनलाइन काउंसलिंग में च्वाइस लाक की प्रक्रिया शनिवार की आधी रात को समाप्त हो गई। शनिवार को च्वाइस लाक करने का अंतिम दिन था। प्रवेश प्रकोष्ठ से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को रात आठ बजे तक 17507 अभ्यर्थियों ने च्वाइस लाक कर दिया था। तीन दिन तक चली आनलाइन काउंसलिंग में शनिवार की रात आठ बजे तक स्नातक के 11158 तथा पीजी के 6349 अभ्यर्थियों ने च्वाइस लाक किया। इन पाठ्यक्रम के सीट आवंटन परिणाम 30 जुलाई को जारी किए जाएंगे।

बैठक कर दिए गए जरूरी निर्देश: परीक्षा की शुचिता एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कुलपति प्रो पूनम टंडन के निर्देश पर शनिवार को कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने सभी केंद्राध्यक्षों, प्रवेश प्रकोष्ठ के सदस्यों तथा मुख्य नियंता के साथ एक समीक्षा बैठक की तथा जरूरी निर्देश दिए। परीक्षा के दौरान केंद्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक के अतिरिक्त किसी को भी मोबाइल फोन रखने की अनुमति नहीं होगी। मुख्य नियंता प्रो सतीश चंद्र पांडेय ने सभी अभ्यर्थियों को निर्देशित किया है कि वह अपने वाहन मुख्य द्वार स्थित स्टैंड पर ही खड़ा करेंगे। परीक्षा केंद्र पर मोबाइल, बैग, स्मार्ट वाच, घड़ी, कैलकुलेटर सहित किसी भी प्रकार का डिजिटल उपकरण ले जाना प्रतिबंधित रहेगा।

शोध पात्रता परीक्षा 29 से, बंद रहेंगे परिसर के विभाग

विश्वविद्यालय की शोध पात्रता परीक्षा (रेट)-2023 29 व 30 जुलाई को विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर के नौ केंद्रों पर आयोजित होगी। शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित परीक्षा आयोजित करने के लिए 29 जुलाई को परिसर स्थित सभी विभागों में अवकाश घोषित किया गया है। प्रशासनिक भवन तथा परीक्षा संबंधी सभी कार्यालय खुले रहेंगे।

Amar Ujala
Page - 09

दीक्षांत समारोह में विशेष परिधान में नजर आएंगे शिक्षक और विद्यार्थी

डीडीयू: तैयारियों को लेकर कुलपति ने की बैठक

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षांत समारोह में शिक्षक और विद्यार्थी एक विशेष परिधान में नजर आएंगे। समारोह के ड्रेस कोड के निर्धारण की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से समारोह के परिधान समिति को सौंप दी गई है।

30 अगस्त को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारी को लेकर शनिवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने समारोह के लिए बनाई गई समितियों के संयोजकों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि आयोजन के लिए गठित समितियों में नए शिक्षकों को भी शामिल किया जाए, जिससे समारोह में सामूहिकता परिलक्षित हो। कुलपति ने समारोह सप्ताह के दौरान सभी संकायों में विशिष्ट व्याख्यान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और काव्यसंध्या के आयोजन के निर्देश दिए।

ड्रेस कोड के निर्धारण की जिम्मेदारी परिधान समिति को सौंपी गई

आइक्यूएसी, डेलीगेसी, क्रीड़ा परिषद की ओर से विविध प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी। उन्होंने समारोह में पदक विजेताओं के अभिभावकों और शहर के गण्यमान्य नागरिकों को आमंत्रित करने पर भी जोर दिया। बैठक में समितियों के संयोजकों के अलावा कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलदीप सिंह भी मौजूद रहे।

डीडीयू : एमएड, बीपीएड और डिप्लोमा की काउंसलिंग आज से

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में एमएड, बीपीएड और पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसलिंग में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग की प्रक्रिया 28 जुलाई से शुरू होगी। एमएड तथा बीपीएड प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 30 जुलाई तक ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया के माध्यम से च्वाइस लॉक करेंगे। सीट आवंटन का परिणाम दो अगस्त को घोषित होगा।

सीधे प्रवेश वाले विषयों में भी आज से प्रक्रिया शुरू होगी

कम आवेदन के कारण जिन विषयों की प्रवेश परीक्षा नहीं हुई थी, उनमें भी रविवार से ही काउसंलिंग की प्रक्रिया शुरू होगी। सीधे प्रवेश वाले इन सभी कोर्सेज के अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर लॉग इन कर प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 30 जुलाई है। शुल्क जमा करने वाले अभ्यर्थी एक से तीन अगस्त तक फीस रसीद तथा सभी मूल प्रमाणपत्र और अंकपत्र लेकर सत्यापन के लिए अपने विभागों में उपस्थित होंगे।

डीडीयू में प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि स्नातक एवं परास्नातक कोर्सेज के लिए 25 जुलाई से जारी ऑनलाइन काउंसलिंग का शनिवार को अंतिम दिन था। रात आठ बजे तक 17,507 अभ्यर्थियों ने अपनी च्वाइस लॉक कर दी थी। तीन दिनों तक चली ऑनलाइन काउंसलिंग में अब तक स्नातक के 11,158 तथा पीजी के 6349 अभ्यर्थियों ने च्वाइस लॉक किया है। संवाद

डीडीयू: नहीं काटने होंगे चक्कर घर बैठे दूर होगा 'आईएनसी'

अधूरे परिणाम लेकर भटक रहे विश्वविद्यालय और कॉलेज के विद्यार्थी

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में विभाग और कॉलेजों की लापरवाही की वजह से विद्यार्थियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। आईएनसी (इंकम्पलीट) परिणाम लेकर विद्यार्थी भटक रहे हैं। अब विद्यार्थियों को राहत मिलने वाली है। विश्वविद्यालय इसके लिए ऑनलाइन व्यवस्था कर रहा है, जिसे अगले तीन से चार दिनों में शुरू कर दिया जाएगा।

स्नातक-परास्नातक पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद से ही विद्यार्थियों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। बहुत सारे विद्यार्थियों का अधूरा परिणाम जारी हो गया है, जिसकी वजह से वे एक से दूसरे विभाग में भटक रहे हैं। जिन छात्र-छात्राओं के रिजल्ट पर आईएनसी (इंकम्पलीट) लिखा है, वह अपने विभाग से लेकर परीक्षा विभाग के चक्कर काट रहे हैं।

आईएनसी को लेकर विद्यार्थियों को परेशानी हो रही थी। इसके लिए विश्वविद्यालय एक पोर्टल जारी करेगा। अगले तीन से चार दिनों में यह शुरू हो जाएगा। इसकी मदद से विद्यार्थी घर बैठे अंकपत्र में आईएनसी के सुधार के लिए आवेदन कर सकेंगे। उनका परिणाम अपडेट हो जाएगा।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

4500 विद्यार्थियों के परिणाम अधूरे

विश्वविद्यालय में इस साल करीब 80 हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। इसमें से 4500 छात्र-छात्राओं का आईएनसी लगा है। पोर्टल शुरू होने के बाद वहां उनको सुधार के लिए आवेदन करना होगा। आवेदन संबंधित पटल से होकर फिर विभाग या कॉलेज के पास अंक अपलोड करने के लिए जाएगा। अंक अपलोड होते ही मार्कशीट में सुधार कर दिया जाएगा।

किसी का एक विषय में अंक नहीं चढ़ा तो किसी का अनुपस्थित दिखा रहा है। बहुत सारे पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का माइनर विषय का अंक नहीं चढ़ा है। अधूरे परिणाम को लेकर परीक्षा विभाग में रोजाना बड़ी संख्या में आवेदन आ रहे हैं।

गोवि में पोर्टल से काम होगा आसान

- आइएनसी (इनकंप्लीट) कटवाने के लिए विद्यार्थियों को नहीं लगाने होंगे चक्कर
- पोर्टल हो गया है तैयार, अगले सप्ताह लांच करने की है विश्वविद्यालय की तैयारी

जागरण संवादाता, गोरखपुर : विभागों और कालेजों की लापरवाही की वजह से विद्यार्थियों को अब अधूरा परिणाम पूरा करने के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन का चक्कर नहीं लगाना होगा। अधूरा परिणाम आनलाइन माध्यम से बिना भागदौड़ के पूरा हो जाएगा। मार्कशीट पर छपा आइएनसी यानी इनकंप्लीट कटवाना आसान हो जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसके लिए एक पोर्टल बनवाया है, जिसे अगले सप्ताह लांच करने की तैयारी है। पोर्टल के जरिये विभाग और कालेज विद्यार्थियों के अधूरे परिणाम का जारी न होना सुनिश्चित कर सकेंगे।

इन दिनों हर दिन स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी किए जा रहे हैं। इन परिणामों में बड़ी संख्या में ऐसे परिणाम हैं, जो जारी तो हो गए हैं पर अधूरे हैं और उन पर इन्कंप्लीट लिखा हुआ है। ऐसे में इनकंप्लीट कटवाने के लिए विद्यार्थी विभाग से लेकर प्रशासनिक भवन तक की दौड़ लगा रहे हैं। किसी विद्यार्थी का एक विषय का अंक यदि नहीं चढ़ा है तो विश्वविद्यालय उसे अनुपस्थित बता रहा है। बहुत सारे पाठ्यक्रमों में तो माइनर विषय का अंक नहीं चढ़ा है।

विश्वविद्यालय में इस साल करीब 80 हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। इसमें से 4500 के अंकपत्र पर आइएनसी लिखा हुआ है। पोर्टल शुरू होने के बाद उस पर विद्यार्थियों को सुधार के लिए आवेदन करना होगा।

आवेदन संबंधित पटल से होकर फिर विभाग या कालेज के पास अंक अपलोड करने के लिए जाएगा। अंक अपलोड होते ही अंकपत्र अधूरा नहीं रह जाएगा।

> विद्यार्थियों की समस्या के समाधान के लिए हमने एक पोर्टल तैयार कराया है, जिसे अगले सप्ताह लांच कर दिया जाएगा। पोर्टल के जरिये विद्यार्थी घर बैठे अंकपत्र में सुधार के लिए आवेदन कर सकेंगे। बिना किसी भागदौड़ के उनका अंकपत्र अपडेट कर दिया जाएगा।
>
> **प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोवि**

Hindustan
Page - 07 09

घर बैठे ठीक होगा अधूरा रिजल्ट नहीं आना होगा विश्वविद्यालय

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू में जिम्मेदारों की लापरवाही का खामियाजा विद्यार्थी भुगत रहे हैं। अधूरे परिणामों को लेकर प्रति दिन दो-तीन सौ छात्र-छात्राएं परीक्षा विभाग में पहुंच रहे हैं। परीक्षा विभाग उनकी शिकायतें तो ले रहा है लेकिन उसमें सुधार बमुश्किल हो पा रहा है। इसे देखते हुए डीडीयू प्रशासन ने अहम निर्णय लिया है। अब ऐसे छात्रों को अपने कॉलेज या विश्वविद्यालय के चक्कर नहीं काटने होंगे। घर बैठे पोर्टल से वे इसकी शिकायत कर सकेंगे। तीन से चार दिनों में पोर्टल शुरू हो जाएगा।

डीडीयू में स्नातक और परास्नातक के परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद से ही अधूरे परिणाम की समस्या आ खड़ी हुई। अधूरे परिणाम देखकर विश्वविद्यालय से लेकर कॉलेजों तक के छात्र प्रति दिन परीक्षा विभाग पहुंच रहे हैं। वहां गलियारे में इन छात्रों की भीड़ सुबह से दोपहर बाद तक रह रही है। किसी का रिजल्ट अधूरा है तो किसी का एक विषय में अंक ही नहीं चढ़ा है। कई विद्यार्थियों का माइनर विषयों का अंक ही नहीं चढ़ा है।

एमएड, बीपीएड व डिप्लोमा में प्रवेश को काउंसलिंग आज से

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू में एमएड, बीपीएड तथा पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसलिंग में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग की प्रक्रिया 28 जुलाई से शुरू होगी। एमएड तथा बीपीएड प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 30 जुलाई तक ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया के माध्यम से च्वाइस लॉक करेंगे। सीट आवंटन का परिणाम 2 अगस्त को घोषित होगा।

डीडीयू में प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कम आवेदन के कारण जिन विषयों की प्रवेश परीक्षा नहीं हुई थी, उनमें भी रविवार से ही काउसंलिंग की प्रक्रिया शुरू होगी। सीधे प्रवेश वाले इन सभी कोर्सेज के अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर लॉग इन कर प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 30 जुलाई है। शुल्क जमा करने वाले अभ्यर्थी 1 से 3 अगस्त तक फीस रसीद तथा सभी मूल प्रमाणपत्र और अंकपत्र लेकर सत्यापन के लिए अपने विभागों में उपस्थित होंगे।

> यूजी और पीजी प्रवेश परीक्षाओं की तरह ही रेट परीक्षा को शुचितापूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपादित किया जाएगा। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा एवं अनुशासन के लिए जरूरी प्रबंध किए जा रहे हैं।
>
> -प्रो पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

समीक्षा बैठक में दिए निर्देश: 'रेट' को लेकर शनिवार को कुलसचिव प्रो शांतनु रस्तोगी ने सभी केंद्राध्यक्षों, प्रवेश प्रकोष्ठ के सदस्यों तथा मुख्य नियंता के साथ समीक्षा बैठक की तथा जरूरी निर्देश दिए।

पुण्यतिथि पर याद किए गए डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम और प्रो. रेवती रमण

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू के पूर्व प्रति कुलपति आचार्य सभाजीत मिश्र ने कहा कि द्रष्टा वही है जिसकी नजर सब पर है। सहज होना कठिन है लेकिन व्यक्ति सहज सरल और उदार होकर ही सर्वप्रिय होता है। सहजता सरलता व उदारता का गुण ही व्यक्ति को महानता की ओर अग्रसर करता है। यही महान गुण हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम और हमारे पूर्व कुलपति आचार्य रेवती रमण पांडेय के स्वाभाविक गुण थे।

मुख्य वक्ता प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने प्रो. रेवती रमण के प्रशासकीय गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां वे एक ओर सहज सरल थे वहीं मर्यादा के मूल्य पर चट्टान की तरह दृढ़ भी थे।

छात्रों को प्रमाणपत्र देकर किया सम्मानित

गोरखपुर। डीडीयू के संवाद भवान में शनिवार को प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। सैमसंग इनोवेशन कैंपस प्रोग्राम के तहत चले प्रशिक्षण के सफल इंजीनियरिंग छात्रों को कुलपति प्रो. पूनम टंडन और एमएमएमयूटी के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने प्रमाणपत्र वितरित कर सम्मानित किया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कोडिंग की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि प्रो. जेपी सैनी ने बायोलॉजिकल न्यूरल नेटवर्क को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ते हुए बताया कि यह सबसे बडा इंटेलिजेंस नेटवर्क है।

दीक्षा समारोह में होगा विशेष परिधान

गोरखपुर। डीडीयू के 43वां दीक्षा समारोह अलग रंग और अंदाज में दिखेगा। इस बार विद्यार्थियों और शिक्षकों का एक विशेष परिधान होगा, जिसे धारण करके ही वह समारोह में हिस्सा लेंगे। दीक्षा समारोह के ड्रेस कोड के निर्धारण की जिम्मेदारी समारोह के परिधान समिति को दी गई है। समारोह की चमक बढ़ाने के लिए विवि प्रशासन ने यह निर्णय लिया है।

डीडीयू में 30 अगस्त को होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारी को लेकर शनिवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विभिन्न समितियों के संयोजकों के साथ बैठक की। बैठक में कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, परीक्षा नियंत्रक डॉ कुलदीप सिंह, प्रो. नंदिता सिंह, प्रो. उषा सिंह, प्रो. अनुभूति दूबे, प्रो. सुधा यादव, प्रो. शिखा सिंह, प्रो. अजय शुक्ल, प्रो. संदीप कुमार, डॉ तूलिका मिश्रा, डॉ अनुपमा आदि मौजूद रहे।

Rashtriya Sahara Page - 07

विधि में पाठ्यक्रम प्रोग्रामिंग ट्रेनिंग के समापन अवसर पर संवाद भवन में आयोजित कार्यक्रम में इंजीनियरिंग संकाय के प्रशिक्षणार्थी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर उपस्थित कुलपति प्रो. पूनम टंडन, कुलपति एमएमएमयूटी प्रो. जेपी सैनी, प्रो. रवि शंकर सिंह, प्रो. उमेश यादव, डा. राजीव निगम व अन्य। फोटो : जनसत्ता

43वें दीक्षांत समारोह के भव्य आयोजन की तैयारियां शुरू

- कुलपति ने सभी आयोजन समिति के साथ की बैठक
- विभिन्न कार्यक्रमों की बनायी गयी रूपरेखा

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का 43वां दीक्षांत समारोह 30 अगस्त को प्रस्तावित किया गया है। दीक्षांत समारोह के भव्य आयोजन की तैयारियों के लिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में आयोजन से संबंधित विभिन्न समितियों के संयोजकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलपति ने सभी समितियों के संयोजकों से समारोह की तैयारी में संदर्भ में विस्तृत चर्चा की।

बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि आयोजन के लिए गठित समितियों में नए शिक्षकों को भी शामिल किया जाएगा। दीक्षांत समारोह सप्ताह के दौरान विभिन्न संकायों द्वारा विशिष्ट व्याख्यान, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं काव्य संध्या का आयोजन किया जाएगा। साथ ही आईक्यूएसी, डेलीगेसी, क्रीड़ा परिषद के द्वारा भी विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। कुलपति ने पूरे विश्वविद्यालय की साफ-सफाई का निर्देश दिया।

समारोह में पदक विजेताओं के अभिभावकों तथा शहर के गणमान्य नागरिकों एवं विभिन्न संस्थाओं के गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में सभी समितियों के संयोजक, कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलदीप सिंह ने हिस्सा लिया।

43वें दीक्षांत समारोह के लिए तय होगा ड्रेस कोड : 43वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का परिधान भी विशिष्ट होगा। महिला तथा पुरुष शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए ड्रेस कोड निर्धारित करने के लिए परिधान समिति को निर्देशित किया गया है।

Amar Ujala Select
Page - 02

डीडीयू : एमएड, बीपीएड और डिप्लोमा की काउंसिलिंग आज से

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में एमएड, बीपीएड और पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसलिंग में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग की प्रक्रिया 28 जुलाई से शुरू होगी। एमएड तथा बीपीएड प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 30 जुलाई तक ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया के माध्यम से च्वाइस लॉक करेंगे। सीट आवंटन का परिणाम दो अगस्त को घोषित होगा।

कम आवेदन के कारण जिन विषयों की प्रवेश परीक्षा नहीं हुई थी, उनमें भी रविवार से ही काउसंलिंग की प्रक्रिया शुरू होगी। सीधे प्रवेश वाले इन सभी कोर्सेज के अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर लॉग इन कर प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 30 जुलाई है। शुल्क जमा करने वाले अभ्यर्थी एक से तीन अगस्त तक फीस रसीद तथा सभी मूल प्रमाणपत्र और अंकपत्र लेकर सत्यापन के लिए अपने विभागों में उपस्थित होंगे।

डीडीयू में प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि स्नातक एवं परास्नातक कोर्सेज के लिए 25 जुलाई से जारी ऑनलाइन काउंसलिंग का शनिवार को अंतिम दिन था। रात आठ बजे तक 17,507 अभ्यर्थियों ने अपनी च्वाइस लॉक कर दी थी।

शोध पात्रता परीक्षा कल से : शोध पात्रता परीक्षा (रेट) 2023 की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा 29 और 30 जुलाई को होगी। शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित परीक्षा के लिए 29 जुलाई को परिसर स्थित सभी विभागों में अवकाश घोषित किया गया है। प्रशासनिक भवन तथा परीक्षा संबंधी सभी कार्यालय खुले रहेंगे।